

Class 9 Hindi lesson plans

2026-27

सामान्य जानकारी (General Information)

- कक्षा: 9वीं
- विषय: हिंदी (गंगा)
- पाठ का नाम: दो बैलों की कथा
- लेखक: मुंशी प्रेमचंद
- अवधि: 4-5 पीरियड (40-45 मिनट प्रत्येक)

1. शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- ज्ञानात्मक: छात्रों को प्रेमचंद की लेखन शैली, ग्रामीण परिवेश और स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि से परिचित कराना ।
- बोधात्मक: बैलों (हीरा और मोती) के माध्यम से मानवीय भावनाओं, पशु-प्रेम और मित्रता के महत्व को समझना ।
- कौशलात्मक: छात्रों के पठन, मौखिक अभिव्यक्ति और रचनात्मक लेखन कौशल का विकास करना ।
- मूल्यात्मक: अन्याय का विरोध करने, त्याग और स्वतंत्रता जैसे नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारना

2. पूर्व ज्ञान परीक्षण (Previous Knowledge Testing)

- शिक्षक छात्रों से पालतू जानवरों, विशेषकर गाय और बैलों के बारे में सामान्य प्रश्न पूछेंगे ।
- प्रश्न: "क्या जानवरों में भी इंसानों जैसी भावनाएं और दोस्ती होती है?"

3. शिक्षण सहायक सामग्री (Teaching Aids)

- प्रेमचंद का चित्र, 'दो बैलों की कथा' का दृश्य (चित्र), और स्मार्टबोर्ड पर पाठ का डिजिटल सारांश ।

4. शिक्षण प्रक्रिया (Teaching Steps)

- प्रस्तावना (Introduction): कहानी का परिचय देना और उद्देश्य कथन स्पष्ट करना ।
- वाचन (Reading): शिक्षक उचित हाव-भाव और आरोह-अवरोह के साथ पाठ का वाचन करेंगे ।

- कठिन शब्दों का अर्थ: झूरी, गया, कांजीहौस, दढ़ियल, कनखियों से देखना आदि शब्दों का अर्थ बोर्ड पर लिखना।

- विश्लेषण और चर्चा:
- दोनों बैलों (हीरा और मोती) का स्वभाव कैसा था?
- कांजीहौस में बंद अन्य जानवरों की जान कैसे बचाई गई?
- स्वतंत्रता के लिए हीरा और मोती ने क्या-क्या संघर्ष किए?

5. गतिविधियाँ (Activities)

- थिंक-पेयर-शेयर (Think-Pair-Share): छात्रों को दो-दो के समूह में बांटकर कहानी के किसी एक दृश्य पर चर्चा करने को कहना।
- रोल प्ले (Role Play): छात्रों को हीरा और मोती का किरदार निभाकर संवाद बोलने के लिए प्रोत्साहित करना।

6. गृहकार्य एवं मूल्यांकन (Homework & Evaluation)

- छात्रों को कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखने को कहना। [1]
- निम्नलिखित बोधात्मक प्रश्न देना:
 1. हीरा और मोती ने गया के घर से भागने की योजना कैसे बनाई?
 2. कांजीहौस की दीवार टूटने पर भी मोती क्यों नहीं भागा?
 3. इस कहानी से हमें क्या नैतिक शिक्षा मिलती है?

1. सामान्य विवरण (General Details)

- विषय: हिंदी (पाठ्यपुस्तक - गंगा)
- कक्षा: 9वीं
- प्रकरण: रैदास के पद

2. शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- ज्ञानात्मक: छात्रों को संत रैदास के जीवन, उनकी भाषा-शैली (ब्रज, अवधी, खड़ी बोली का मिश्रण) और उनके युग का ज्ञान कराना।
- भावनात्मक: छात्रों में प्रभु-भक्ति, मानवीय प्रेम, और सामाजिक समरसता के भाव जगाना।

- कौशल विकास: छात्रों की वाचन, भाव-विश्लेषण और काव्यात्मक अर्थ समझने की क्षमता का विकास करना ।

3. शिक्षण सहायक सामग्री (Teaching Aids)

- कक्षा 9 की 'गंगा' पुस्तक
- श्यामपट्ट (Blackboard), चॉक, डस्टर ।
- रैदास के जीवन और पदों पर आधारित डिजिटल चार्ट या एनिमेटेड वीडियो ।

4. शिक्षण प्रक्रिया (Teaching Process)

- प्रस्तावना (Introduction): शिक्षक कक्षा में छात्रों से सरल प्रश्न पूछकर पाठ की शुरुआत कर सकते हैं । जैसे: "ईश्वर और भक्त के बीच कैसा संबंध होना चाहिए?" या "आप किन-किन तरीकों से ईश्वर को याद करते हैं?"
- कवि-परिचय: शिक्षक संत रैदास (रविदास) के संक्षिप्त जीवन का परिचय देंगे, जो बनारस (वाराणसी) के एक चर्मकार परिवार से थे और मीराबाई के गुरु माने जाते थे ।
- पदों का सस्वर वाचन: शिक्षक उचित लय, यति और गति के साथ पहले और दूसरे पद का वाचन करेंगे , तत्पश्चात छात्रों से भी इसका अभ्यास करवाएंगे ।

5. पदों की व्याख्या (Explanation of the Poems)

- पहला पद: "अब कैसे छूटे राम नाम रट लगी..."
- अर्थ: इसमें कवि अपने आराध्य से अपना अटूट संबंध बताते हैं । वे ईश्वर की तुलना चंदन, घन (बादल), दीपक, मोती और धागे से करते हैं, जबकि स्वयं को पानी, मोर, बाती, और सोने में मिलने वाले सुहागे के रूप में प्रस्तुत करते हैं।
- दूसरा पद: "ऐसी लाल तुझ बिनु कौन करै..."
- अर्थ: इसमें ईश्वर की दीन-दयालुता का वर्णन है । रैदास कहते हैं कि प्रभु ही गरीबों और नीची जाति वालों का उद्धार करने वाले हैं । वे छुआछूत और सामाजिक भेदभाव से परे, सबके रक्षक और स्वामी हैं।

6. मूल्यांकन और गृहकार्य (Evaluation and Homework)

शिक्षक छात्रों से बोधगम्य प्रश्न पूछकर उनका मूल्यांकन करेंगे और अभ्यास कार्य देंगे:

1. रैदास ने अपने आराध्य को किन-किन नामों से पुकारा है? (जैसे- गरीब निवाज़, गोसाईं)
2. पहले पद में भक्त और भगवान के संबंधों को किन उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया है?

3. 'जो तुम तोरौ राम मैं नहिं तोरौ' पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
4. गतिविधि: छात्रों को रैदास के किसी एक पद को अपनी भाषा (या मातृभाषा) में लिखने या उसका चार्ट बनाने के लिए कहना ।

पाठ योजना (Lesson Plan)

1. सामान्य विवरण (General Details)

- विषय: हिंदी (गद्य खंड)
- कक्षा: 9वीं
- पाठ्यपुस्तक: गंगा
- पाठ: अध्याय 3 - 'संवादहीन' (लेखक: शेखर जोशी)
- समयावधि: 40-45 मिनट

2. शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- ज्ञानात्मक (Cognitive): छात्रों को आधुनिक समाज में बुजुर्गों के अकेलेपन, ग्रामीण पलायन और मानवीय संवेदनाओं से परिचित कराना ।
- भावनात्मक (Affective): छात्रों में पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता, स्वतंत्रता के मूल्य और अपनों के प्रति संवाद (Communication) बनाए रखने की भावना जागृत करना ।
- कौशल विकास (Skill Development): छात्रों की कहानी-वाचन कला, चरित्र-विश्लेषण और तार्किक सोच का विकास करना ।

3. शिक्षण सहायक सामग्री (Teaching Aids)

- कक्षा 9 की 'गंगा' पाठ्यपुस्तक
- श्यामपट्ट (Blackboard), चॉक, डस्टर
- दृश्य सामग्री: पिंजरे में बंद तोते का चित्र या कहानी के पात्रों (ताई और मिट्टू) को दर्शाता डिजिटल चार्ट ।

4. प्रस्तावना प्रश्न (Introduction / Warm-up Questions)

शिक्षक पूर्व ज्ञान को जाँचने और पाठ की भूमिका बनाने के लिए छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे:

1. प्रश्न: यदि आपके घर के सभी लोग बाहर चले जाएँ और आप अकेले रह जाएँ, तो आपको कैसा लगेगा?

• उत्तर: अकेलापन महसूस होगा, मन उदास होगा।

2. प्रश्न: पुराने समय और आज के समय में बुजुर्गों के जीवन में क्या अंतर आया है?

• उत्तर: आज बच्चे काम के सिलसिले में बाहर चले जाते हैं और बुजुर्ग अक्सर अकेले रह जाते हैं।

3. प्रश्न: 'संवादहीन' शब्द का क्या अर्थ है?

• उत्तर: जहाँ बातचीत या संवाद पूरी तरह बंद हो जाए।

5. पाठ प्रस्तुतीकरण एवं व्याख्या (Presentation & Explanation)

शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करेंगे और कहानी को मुख्य बिंदुओं में समझाएंगे: [1]

चरण / मुख्य बिंदु शिक्षक की क्रिया (Teacher's Activity) छात्र की क्रिया (Student's Activity)

1. ताई का अकेलापन शिक्षक समझाएंगे कि गाँव के एक बड़े सूने घर में 'ताई' अकेली रहती हैं क्योंकि उनका परिवार शहर जा चुका है। छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे और ग्रामीण पलायन की समस्या को समझेंगे।

2. ताई और मिट्टू का संबंध ताई के जीवन का एकमात्र सहारा उनका पालतू तोता 'मिट्टू' है, जिससे वे अपने सुख-दुख की बातें (संवाद) करती हैं। छात्र मनुष्य और मूक पशु-पक्षी के बीच के भावनात्मक जुड़ाव को महसूस करेंगे।

3. जगन मास्टर की भूमिका ताई जब तीर्थयात्रा (कुंभ-स्नान) पर जाती हैं, तो तोते की ज़िम्मेदारी पड़ोसी 'जगन मास्टर' को देती हैं। जगन मास्टर स्वतंत्रता-प्रेमी हैं और वे मिट्टू को पिंजरे से आज़ाद कर देते हैं। छात्र जगन मास्टर के इस कदम पर अपनी राय सोचेंगे कि क्या आज़ादी देना सही था।

4. नया तोता (एवजी) लाना ताई के लौटने पर उन्हें दुःख न हो, इसलिए जगन मास्टर वैसा ही दूसरा तोता लाकर पिंजरे में रख देते हैं। लेकिन यह नया तोता बोलता नहीं है। छात्र कहानी के मोड़ को समझेंगे कि रूप रंग एक होने से भावनाएँ एक नहीं होतीं।

5. संवादहीनता का अंत नया तोता ताई से कोई बात नहीं करता। ताई का जीवन फिर से उसी सन्नाटे और 'संवादहीनता' में डूब जाता है। छात्र कहानी के मार्मिक और यथार्थवादी अंत को समझेंगे।

6. कठिन शब्दों के अर्थ (Vocabulary)

शिक्षक श्यामपट्ट पर कठिन शब्दों के अर्थ लिखेंगे:

- संवादहीन: बातचीत से रहित, सन्नाटा
- पलायन: एक स्थान को छोड़कर दूसरी जगह जाना (गाँव से शहर जाना)
- एवजी: किसी के बदले में रखा गया (Substitute)
- शून्यता: खालीपन, अकेलापन

7. बोध प्रश्न / मूल्यांकन (Evaluation Questions)

पाठ की समझ को जाँचने के लिए कक्षा के अंत में पूछे जाने वाले प्रश्न:

1. ताई के जीवन के दुःख और अकेलेपन का मुख्य कारण क्या था?
2. जगन मास्टर ने मिट्टू को पिंजरे से आज़ाद क्यों किया? उनके चरित्र की क्या विशेषता दिखती है?
3. कहानी का शीर्षक 'संवादहीन' सबसे अधिक किस पात्र के लिए सार्थक बैठता है और क्यों?
4. क्या कोई प्राणी सचमुच पिंजरे के बंधन का आदी हो सकता है? कहानी के आधार पर तर्क दीजिए।

8. गृहकार्य (Homework)

- लिखित कार्य: "किसी भी जीव के लिए पिंजरे के सुख-सुविधाओं से बेहतर खुले आकाश की स्वतंत्रता होती है" – इस कथन पर अपने शब्दों में 100 शब्दों का एक संक्षिप्त निबंध या विचार लिखिए।
- रचनात्मक गतिविधि: अपने आस-पास के किसी अकेले बुजुर्ग व्यक्ति से बातचीत करें और यह जानें कि वे अपना समय कैसे बिताते हैं।

पाठ योजना (Lesson Plan)

1. सामान्य विवरण (General Details)

- विषय: हिंदी (काव्य खंड)
- कक्षा: 9वीं
- पाठ्यपुस्तक: गंगा
- पाठ: राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद
- समयावधि: 40-45 मिनट

2. शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- ज्ञानात्मक (Cognitive): छात्रों को अवधी भाषा की चौपाई और दोहा छंद शैली से परिचित कराना तथा सीता स्वयंवर की पृष्ठभूमि को समझाना।
- भावनात्मक (Affective): छात्रों को क्रोध के दुष्परिणामों, राम के धैर्य, और लक्ष्मण की निर्भीकता (वीरता) के माध्यम से संतुलित व्यवहार का महत्व सिखाना।
- कौशल विकास (Skill Development): छात्रों में संवाद-अदायगी (Role Play), नाटकीय वाचन और काव्यात्मक भाषा के विश्लेषण की क्षमता विकसित करना।

3. शिक्षण सहायक सामग्री (Teaching Aids)

- कक्षा 9 की 'गंगा' पाठ्यपुस्तक
- श्यामपट्ट (Blackboard), रंगीन चॉक, डस्टर
- दृश्य सामग्री: सीता स्वयंवर में शिव-धनुष टूटने और परशुराम के क्रोधित आगमन को दर्शाता हुआ एक चार्ट या वीडियो क्लिप।

4. प्रस्तावना प्रश्न (Introduction / Warm-up Questions)

शिक्षक छात्रों को विषय से जोड़ने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे:

1. प्रश्न: रामायण में सीता जी के विवाह (स्वयंवर) के लिए क्या शर्त रखी गई थी?
 - उत्तर: शिव जी के भारी धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाना (या उसे उठाना)।
2. प्रश्न: जब शिव-धनुष टूटा, तो सबसे अधिक क्रोध किसे आया था?
 - उत्तर: भगवान परशुराम को।
3. प्रश्न: अत्यधिक क्रोध आने पर इंसान का व्यवहार कैसा हो जाता है?
 - उत्तर: वह सोचने-समझने की शक्ति खो देता है और कठोर वचन बोलता है।

5. पाठ प्रस्तुतीकरण एवं व्याख्या (Presentation & Explanation)

शिक्षक संवाद को तीन मुख्य पात्रों के दृष्टिकोण से विभाजित करके समझाएंगे:

पात्र (Character) व्यवहार और मुख्य संवाद (Core Concept) शिक्षण बिंदु (Teaching Point)

श्रीराम (धैर्य व विनम्रता) परशुराम के क्रोध को देखकर श्रीराम विनम्रतापूर्वक कहते हैं— "नाथ संभुधनु भंजनिहारा, होइहि केउ एक दास तुम्हारा।" (हे नाथ! शिवजी के धनुष को तोड़ने वाला आपका ही कोई दास होगा।) छात्र सीखेंगे कि गंभीर परिस्थिति में शांत रहकर क्रोध को कैसे शांत किया जाता है।

लक्ष्मण (व्यंग्य व निर्भीकता) लक्ष्मण परशुराम के क्रोध का उपहास उड़ाते हुए कहते हैं कि हमने बचपन में खेल-खेल में कई धनुहियाँ तोड़ी हैं, तब तो आपने ऐसा क्रोध नहीं किया। वे कहते हैं— "इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाही, जे तरजनी देखि मरि जाहीं।" छात्र व्यंग्य (Irony) और मुहावरों का प्रयोग समझेंगे। लक्ष्मण यहाँ अन्याय के प्रति निर्भीक स्वर का प्रतीक हैं।

परशुराम (अत्यधिक क्रोध व गर्व) परशुराम अपने फरसे (शस्त्र) को दिखाकर बार-बार क्षत्रियों के विनाश की बात करते हैं और अपनी वीरता का बखाना खुद करते हैं। छात्र समझेंगे कि अत्यधिक अहंकार और क्रोध व्यक्ति को उपहास का पात्र बना देता है।

6. काव्यात्मक और व्याकरणिक विशेषताएँ (Language & Grammar)

शिक्षक छात्रों को पद की तकनीकी खूबियों से परिचित कराएंगे:

- भाषा: शुद्ध अवधी भाषा ।
- छंद शैली: चौपाई और दोहा छंद का प्रयोग ।
- रस: परशुराम के संवादों में रौद्र रस (क्रोध), लक्ष्मण के संवादों में वीर रस और हास्य/व्यंग्य रस का अनूठा मिश्रण है ।
- अलंकार: अनुप्रास और उपमा अलंकार की बहुलता (जैसे: "कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा" - उपमा अलंकार) ।

7. बोध प्रश्न / मूल्यांकन (Evaluation Questions)

कक्षा की समाप्ति पर छात्रों से पूछे जाने वाले मूल्यांकन प्रश्न:

- परशुराम के क्रोध करने पर श्रीराम और लक्ष्मण की प्रतिक्रियाओं में क्या अंतर था?
- लक्ष्मण ने परशुराम से ऐसा क्यों कहा कि "इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाही"? इसका क्या अर्थ है?
- परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या बातें कहीं? (उनके आत्म-प्रशंसा के बिंदु क्या थे?)
- इस पाठ से हमें वाणी (Speech) पर संयम रखने के संबंध में क्या सीख मिलती है?

8. गृहकार्य (Homework)

- लिखित कार्य: राम और लक्ष्मण के स्वभाव की मुख्य विशेषताओं की तुलना करते हुए एक संक्षिप्त तालिका (Comparison Table) अपनी उत्तर-पुस्तिका में बनाइए ।
- रचनात्मक गतिविधि (Role Play): कक्षा के किन्हीं तीन छात्रों के समूह को राम, लक्ष्मण और परशुराम का रूप देकर इस संवाद का नाटकीय मंचन करने की तैयारी करने को कहें ।

पाठ योजना (Lesson Plan)

1. सामान्य सूचना (General Information)

- विषय: हिंदी (गद्य खंड)
- कक्षा: 9वीं / 10वीं
- पाठ का नाम: क्या लिखूँ? (निबंध)
- लेखक: पदुमलाल पुत्रालाल बख्शी
- समयावधि: 40-45 मिनट (2 या 3 कालांश)

2. शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- ज्ञानात्मक: छात्र निबंध विधा की विशेषताओं और उसकी लेखन शैली से परिचित हो सकेंगे।
- कौशलात्मक: छात्रों में स्वतंत्र चिंतन, तर्कशक्ति और रचनात्मक लेखन क्षमता का विकास करना।
- भावात्मक: युवावस्था और वृद्धावस्था के दृष्टिकोण के अंतर को समझकर जीवन के प्रति सकारात्मक नज़रिया विकसित करना।

3. शिक्षण सामग्री (Teaching Aids)

- चाक, डस्टर, श्यामपट (Blackboard)
- निबंध लेखन के प्रमुख अंगों को दर्शाता हुआ एक चार्ट (फ्लोचार्ट)।
- प्रसिद्ध निबंधकारों के चित्रों का कोलाज।

4. प्रस्तावना प्रश्न (Introduction / Previous Knowledge Testing)

शिक्षक छात्रों के पूर्व ज्ञान को पाठ से जोड़ने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे:

1. प्रश्न: जब आपको परीक्षा में किसी अनजाने विषय पर निबंध लिखने को कहा जाता है, तो आपके मन में पहला विचार क्या आता है?

- संभावित उत्तर: "मैं शुरुआत कहाँ से करूँ?" या "मैं क्या लिखूँ?"

2. प्रश्न: क्या निबंध लिखना केवल शब्दों को जोड़ना है या अपने विचारों को व्यक्त करना है?

- संभावित उत्तर: अपने मौलिक विचारों और अनुभवों को व्यक्त करना है।

3. उद्देश्य कथन: बच्चों, आज हम प्रसिद्ध साहित्यकार पदुमलाल पुत्रालाल बख्शी जी द्वारा रचित निबंध "क्या लिखूँ?" का अध्ययन करेंगे, जिसमें उन्होंने निबंध लेखन की कला और जीवन के विभिन्न दृष्टिकोणों को बड़े ही सुंदर ढंग से समझाया है।

5. शिक्षण विधि एवं प्रक्रिया (Teaching Methodology & Process)

क) लेखक परिचय (Author Introduction)

- लेखक के जीवन, उनकी संपादन कला (सरस्वती पत्रिका) और उनकी सरल-सुबोध भाषा शैली पर प्रकाश डालना।

ख) आदर्श वाचन एवं व्याख्या (Reading & Explanation)

- प्रथम चरण (निबंध की समस्या): शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करेंगे। लेखक को दो विषयों ("दूर के ढोल सुहावने होते हैं" और "सच्ची मित्रता") पर लिखने की चुनौती मिली है। लेखक की मानसिक उलझन को स्पष्ट करना।

- द्वितीय चरण (युवा और वृद्ध सोच): पाठ में वर्णित युवावस्था (जो भविष्य के सपने देखती है) और वृद्धावस्था (जो अतीत के गौरव को याद करती है) के वैचारिक अंतर को समझाना। दोनों के बीच वर्तमान की महत्ता को रेखांकित करना।

- तृतीय चरण (निबंध की परिभाषा): मॉन्टेन और बेकन के अनुसार निबंध क्या है? "निबंध मानसिक शिथिलता का परिणाम है स्वच्छंद रचना है।" इस कथन की व्याख्या करना।

ग) काठिन्य निवारण (Vocabulary/Word Meanings)

- अपरिहार्य: जिसे टाला न जा सके (Inevitable)
- स्वच्छंदता: अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करना (Freedom)
- मर्मज्ञ: रहस्य को जानने वाला (Expert)
- युगद्रष्टा: युग को देखने और समझने वाला

6. छात्र गतिविधियाँ (Student Activities - NEP 2020)

- सामूहिक चर्चा (Group Discussion): "दूर के ढोल सुहावने क्यों लगते हैं?" विषय पर छात्रों को 4-5 के समूहों में बांटकर लघु चर्चा करवाना।
- रचनात्मक लेखन: छात्रों को अपनी पसंद के किसी भी समसामयिक विषय पर केवल 100 शब्दों का एक संक्षिप्त, स्वच्छंद पैराग्राफ लिखने को कहना।

7. मूल्यांकन एवं गृहकार्य (Evaluation & Homework)

- बोध प्रश्न:
 1. लेखक के सामने निबंध लिखने में क्या कठिनाई आ रही थी?
 2. "दूर के ढोल सुहावने होते हैं" का क्या अर्थ है?
 3. वृद्ध और युवा पीढ़ी के विचारों में क्या मुख्य अंतर बताया गया है?
- गृहकार्य (Homework): पाठ में आए मुख्य मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए तथा "सच्ची मित्रता" विषय पर अपने शब्दों में एक संक्षिप्त निबंध लिखिए।

पाठ योजना (Lesson Plan)

1. सामान्य सूचना (General Information)

- विषय: हिंदी (गद्य)
- कक्षा: 9वीं (पाठ्यपुस्तक: गंगा)
- पाठ का नाम: ऐसी भी बातें होती हैं
- विधा: साक्षात्कार (Interview)
- मुख्य व्यक्तित्व: लता मंगेशकर
- समयावधि: 45 मिनट (2-3 कालांश) [1, 2, 3]

2. शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- ज्ञानात्मक (Cognitive): छात्र 'साक्षात्कार विधा' की विशेषताओं को समझ सकेंगे तथा लता जी के जीवन संघर्ष व भारतीय संगीत इतिहास से परिचित होंगे। [1, 2]
- कौशलात्मक (Skill-based): प्रश्न पूछने की कला (इंटरव्यू कौशल), संवाद शैली और भाषा अभिव्यक्ति का विकास करना। []
- भावात्मक (Affective): छात्रों में स्वाभिमान, कठिन परिश्रम, कर्तव्यनिष्ठा और अपनी संस्कृति व त्योहारों के प्रति सम्मान की भावना जगाना। [1, 2, 3]

3. शिक्षण सामग्री (Teaching Aids)

- लता मंगेशकर जी का चित्र अथवा उनके प्रसिद्ध शास्त्रीय/फ़िल्मी गीतों की एक संक्षिप्त ऑडियो क्लिप।
- साक्षात्कार विधा के मुख्य तत्वों (प्रश्नकर्ता, उत्तरदाता, आत्मीयता) को दर्शाता फ़्लोचार्ट। []

4. प्रस्तावना प्रश्न (Introduction / Previous Knowledge Testing)

शिक्षक छात्रों को पाठ से जोड़ने के लिए व्यावहारिक प्रश्न पूछेंगे:

1. प्रश्न: भारत में 'स्वर कोकिला' या 'राष्ट्र की आवाज़' के नाम से किस महान गायिका को जाना जाता है?
 - संभावित उत्तर: कुमारी लता मंगेशकर जी को। [1]
2. प्रश्न: यदि आपको अपने पसंदीदा खिलाड़ी या कलाकार से मिलने का मौका मिले, तो आप उनके जीवन के बारे में जानने के लिए क्या करेंगे?
 - संभावित उत्तर: हम उनसे बातचीत करेंगे या उनका इंटरव्यू (साक्षात्कार) लेंगे। []

3. उद्देश्य कथन: बच्चों, आज हम 'गंगा' पुस्तक के पाठ 'ऐसी भी बातें होती हैं' के माध्यम से भारत रत्न लता मंगेशकर जी के जीवन, संगीत साधना और उनकी अनसुनी पारिवारिक परंपराओं के बारे में जानेंगे। [1, 2, 3, 4]

5. शिक्षण विधि एवं प्रक्रिया (Teaching Process)

क) आदर्श वाचन एवं पाठ का सार (Reading & Explanation)

- प्रथम चरण (पारिवारिक संस्कार व संघर्ष): शिक्षक पाठ का वाचन करेंगे। लता जी बताती हैं कि उन्होंने अपने पिता पं. दीनानाथ मंगेशकर से स्वाभिमान और सादगी से जीना सीखा। मात्र 13 वर्ष की आयु में पिता के निधन के बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उन्होंने कैसे उठाई, इसकी व्याख्या करना। [1, 2]
- द्वितीय चरण (संगीत का सफर और पुरानी तकनीक): लता जी का फिल्मों में अभिनय करना पर पसंद न आना और पूरी तरह गायन में रम जाना। 1950 के दशक में तकनीक न होने के कारण अनिल विश्वास, नौशाद साहब जैसे संगीतकारों द्वारा संगीत में प्रभाव लाने के लिए अपनाए गए अजीब व अनोखे तरीकों पर चर्चा करना। [1, 2, 3]
- तृतीय चरण (सांस्कृतिक परंपराएँ और मानवीय संबंध): लता जी के घर के अनूठे त्योहार—जैसे होली पर गुड़वड़ परंपरा, रंग-पंचमी पर केसर का पानी छिड़कना और नवरात्रि में गुड़ी पड़वा मनाना। सह-गायिकाओं (कोरस लड़कियों) के साथ उनका जमीन पर बैठकर बातें करना और आत्मीय संबंध रखना। [1, 2, 3]

ख) काठिन्य निवारण (Vocabulary)

- स्वाभिमान: आत्मसम्मान (Self-respect)
- साक्षात्कार: भेंटवार्ता या इंटरव्यू (Interview)
- परंपरा: सदियों से चली आ रही रीति (Tradition)
- अपरिमित: असीमित या जिसकी कोई सीमा न हो (Boundless) [1, 2]

6. छात्र गतिविधियाँ (Student Activities - NEP 2020)

- भूमिका निर्वहन (Role Play): कक्षा में दो छात्रों की जोड़ियाँ बनाई जाएंगी। एक छात्र 'साक्षात्कारकर्ता' और दूसरा 'लता दीदी' बनकर पाठ के संवादों का वाचन करेंगे। []
- परंपरा पर चर्चा: छात्र अपने घरों में मनाए जाने वाले किसी एक विशिष्ट क्षेत्रीय त्योहार या पारंपरिक रिवाज के बारे में कक्षा में 2 मिनट बात करेंगे। [1]

7. योग्यता-आधारित मूल्यांकन एवं गृहकार्य (Evaluation)

- बोध प्रश्न (Competency-Based Questions):

1. लता मंगेशकर के अनुसार बाबा हरिदास और तानसेन की कथाओं से संगीत के बारे में क्या निष्कर्ष निकलता है? (उत्तर: संगीत में अपरिमित/असीमित शक्ति होती है) ।

2. लता जी ने मात्र 13 वर्ष की आयु में किस बड़ी जिम्मेदारी को संभाला और इससे उनके किस गुण का पता चलता है? (उत्तर: कर्तव्यनिष्ठा और पारिवारिक जिम्मेदारी) ।

3. तकनीक की कमी के बावजूद पुराने समय का संगीत आज भी क्यों अमर है? (उत्तर: क्योंकि उसमें मूल भावनाएँ, सादगी और सच्ची कला आत्मा को छूती थी) । [2, 3, 4, 5]

- गृहकार्य (Homework): पाठ में आए मुख्य त्योहारों की सूची बनाइए । अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य या किसी वरिष्ठ शिक्षक का साक्षात्कार लेने के लिए 5 मुख्य प्रश्नों की एक प्रश्नावली (Questionnaire) तैयार कीजिए ।

पाठ योजना (Lesson Plan)

1. सामान्य सूचना (General Information)

- विषय: हिंदी (गद्य/एकांकी खंड)
- कक्षा: 9वीं
- पाठ का नाम: रीढ़ की हड्डी
- लेखक: जगदीश चंद्र माथुर
- विधा: एकांकी (One-Act Play/नाटक)
- समयावधि: 45 मिनट (2-3 कालावधि) [1, 2, 3]

2. शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- ज्ञानात्मक (Cognitive): छात्र 'एकांकी विधा' की विशेषताओं और उसकी रंगमंचीय प्रस्तुति को समझ सकेंगे ।

- कौशलात्मक (Skill-based): छात्रों में संवाद वाचन शैली, अभिनय कला, और समाज में व्याप्त कुप्रथाओं पर तार्किक रूप से सोचने की क्षमता का विकास करना ।

- भावात्मक (Affective): समाज में नारी शिक्षा के प्रति सम्मान जगाना, लैंगिक समानता (Gender Equality) को बढ़ावा देना और दहेज जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ खड़े होने का साहस पैदा करना ।

3. शिक्षण सामग्री (Teaching Aids)

- एकांकी के मुख्य पात्रों (उमा, रामस्वरूप, गोपाल प्रसाद, शंकर) के संबंधों को दर्शाता हुआ एक रेखाचित्र (Character Map)।
- नारी शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए कुछ स्लोगन/पोस्टर्स। [1]

4. प्रस्तावना प्रश्न (Introduction / Previous Knowledge Testing)

शिक्षक छात्रों के पूर्व ज्ञान और सामाजिक समझ को पाठ से जोड़ने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे:

1. प्रश्न: समाज में 'रीढ़ की हड्डी' (Backbone) का शारीरिक रूप से क्या महत्व है?
 संभावित उत्तर: यह शरीर को सीधा खड़ा रखने और सहारा देने का काम करती है। [1, 2, 3]
2. प्रश्न: यदि किसी व्यक्ति के विचार या चरित्र में दृढ़ता न हो, तो समाज उसे क्या कहता है?
 संभावित उत्तर: उसे 'रीढ़विहीन' या बिना व्यक्तित्व वाला इंसान माना जाता है।
3. उद्देश्य कथन: बच्चों, आज हम जगदीश चंद्र माथुर जी की प्रसिद्ध एकांकी "रीढ़ की हड्डी" पढ़ेंगे। इस पाठ में 'रीढ़ की हड्डी' शब्द का प्रयोग केवल शरीर के अंग के लिए नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र, स्वाभिमान और समाज की रूढ़िवादी सोच पर करारा प्रहार करने के लिए एक प्रतीक के रूप में किया गया है। [1]

5. शिक्षण विधि एवं प्रक्रिया (Teaching Process)

क) पात्र परिचय (Character Introduction)

- उमा: उच्च शिक्षित, प्रगतिशील, स्पष्टवादी और स्वाभिमानी लड़की (मुख्य पात्र)।
- रामस्वरूप: उमा के पिता, जो समाज के डर से अपनी बेटी की उच्च शिक्षा को छिपाते हैं।
- प्रेमा: उमा की माता, जो पुरानी रूढ़िवादी सोच से प्रभावित हैं।
- गोपाल प्रसाद: दकियानूसी, वकालत के पेशे वाले चतुर व्यक्ति, जो पढ़ी-लिखी बहू नहीं चाहते।
- शंकर: गोपाल प्रसाद का बेटा, जो चरित्रहीन, कायर और बिना रीढ़ की हड्डी (व्यक्तित्वविहीन) वाला युवक है। [1, 2, 3, 4, 5]

ख) आदर्श वाचन एवं मुख्य बिंदु (Reading & Explanation)

- प्रथम चरण (लड़की देखने की तैयारी): रामस्वरूप के घर मेहमानों के स्वागत की तैयारी और उमा को कम पढ़ी-लिखी (मैट्रिक पास) दिखाने का नाटक रचना।
- द्वितीय चरण (गोपाल प्रसाद की दकियानूसी सोच): गोपाल प्रसाद का नारी शिक्षा का विरोध करना। उनका मानना कि "पढ़ना-लिखना केवल पुरुषों का काम है, महिलाओं का काम घर संभालना है।" दहेज और लड़की की सुंदरता को 'बिजनेस' की तरह आंकना।

- तृतीय चरण (उमा का विद्रोह): उमा का सजने-धजने से इंकार करना और चश्मा लगाने पर गोपाल प्रसाद के सवाल का डटकर जवाब देना। उमा द्वारा शंकर की पोल खोलना कि वह हॉस्टल से लड़कियों के पीछे घूमते हुए पकड़ा गया था और उसकी अपनी कोई 'रीढ़ की हड्डी' (व्यक्तित्व) नहीं है।

ग) काठिन्य निवारण (Vocabulary)

- दकियानूसी: पुरानी या पिछड़ी सोच वाला (Conservative)
- तकाज़ा: मांग या आवश्यकता (Demand)
- मर्ज: बीमारी या रोग (Illness)
- रीढ़विहीन: जिसका कोई चरित्र या आधार न हो (Spineless)

6. छात्र गतिविधियाँ (Student Activities - NEP 2020)

- कक्षा नाटक (Classroom Theater): छात्रों को अलग-अलग पात्र (रामस्वरूप, गोपाल प्रसाद, उमा आदि) आवंटित करके एकांकी के मुख्य संवादों का कक्षा में अभिनय सहित वाचन करवाना।
- नुक्कड़ नाटक स्क्रिप्ट लेखन: छात्रों से समाज में "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" या "दहेज प्रथा उन्मूलन" विषय पर 5 मिनट की एक लघु नाटिका तैयार करवाना।

7. योग्यता-आधारित मूल्यांकन एवं गृहकार्य (Evaluation)

- बोध प्रश्न (Competency-Based Questions):
 1. एकांकी का शीर्षक "रीढ़ की हड्डी" किस प्रकार सार्थक है? स्पष्ट कीजिए। (उत्तर: यह शंकर की शारीरिक बनावट और उसके चरित्रहीन, व्यक्तित्वविहीन होने दोनों को दर्शाता है)।
 2. उमा के चरित्र की कौन सी विशेषताएँ आपको सबसे ज्यादा प्रभावित करती हैं और क्यों? (उत्तर: उसका साहस, उच्च शिक्षा के प्रति गर्व, और समाज के दोहरे मापदंडों का विरोध करना)।
 3. रामस्वरूप अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलाने के बावजूद उसे समाज के सामने क्यों छिपाते हैं? यह समाज की किस मानसिकता को दर्शाता है? (उत्तर: यह समाज की उस रूढ़िवादी पुरुष-प्रधान सोच को दिखाता है जहाँ पढ़ी-लिखी बेटियों को स्वीकार करने में लोग हिचकिचाते हैं)। [1, 2, 3]
- गृहकार्य (Homework): "नारी शिक्षा: समाज का आधार" विषय पर 150 शब्दों का एक रचनात्मक अनुच्छेद लिखिए तथा पाठ में आए व्यंग्यात्मक संवादों को रेखांकित कीजिए।

पाठ योजना (Lesson Plan)

1. सामान्य सूचना (General Information)

- विषय: हिंदी (गद्य खंड)
- कक्षा: 9वीं
- पाठ का नाम: मैं और मेरा देश (संस्मरण/निबंध)
- लेखक: कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
- विधा: संस्मरण / विचारात्मक निबंध
- समयावधि: 45 मिनट (2-3 कालांश)

2. शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- ज्ञानात्मक (Cognitive): छात्र संस्मरण विधा की विशेषताओं को समझ सकेंगे तथा नागरिक कर्तव्यों व देश के सम्मान के बीच के संबंध को जान सकेंगे।
- कौशलात्मक (Skill-based): छात्रों में नागरिक चेतना, सामाजिक जिम्मेदारी, तार्किक सोच और रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना।
- भावात्मक (Affective): छात्रों में देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना जागृत करना।

3. शिक्षण सामग्री (Teaching Aids)

- स्वामी रामतीर्थ और जापान के युवक (या जापानी पुस्तकालय वाली घटना) को दर्शाता हुआ एक चित्र या डिजिटल स्लाइड।
- "नागरिक कर्तव्य और अधिकार" विषय पर एक फ्लोचार्ट।

4. प्रस्तावना प्रश्न (Introduction / Previous Knowledge Testing)

शिक्षक छात्रों के पूर्व ज्ञान को पाठ से जोड़ने के लिए निम्नलिखित व्यावहारिक प्रश्न पूछेंगे:

1. प्रश्न: यदि कोई व्यक्ति अपने घर को साफ रखता है लेकिन कचरा सड़क पर फेंकता है, तो क्या वह एक अच्छा नागरिक है?

- संभावित उत्तर: नहीं, क्योंकि वह सार्वजनिक स्थान और देश को गंदा कर रहा है।

2. प्रश्न: किसी देश की प्रतिष्ठा और सम्मान किस पर निर्भर करता है—वहाँ की सरकार पर या वहाँ के नागरिकों के व्यवहार पर?

- संभावित उत्तर: वहाँ के नागरिकों के आचरण और व्यवहार पर।

3. उद्देश्य कथन: बच्चों, आज हम कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी द्वारा लिखित पाठ "मैं और मेरा देश" पढ़ेंगे। इस पाठ में लेखक ने बहुत ही सुंदर उदाहरणों द्वारा समझाया है कि हमारे छोटे से छोटे व्यक्तिगत कार्य से भी हमारे देश का नाम कैसे ऊंचा या नीचा हो सकता है।

5. शिक्षण विधि एवं प्रक्रिया (Teaching Process)

क) आदर्श वाचन एवं पाठ की व्याख्या (Reading & Explanation)

- प्रथम चरण (लाला लाजपत राय और स्वामी रामतीर्थ का प्रसंग): शिक्षक पाठ का वाचन करेंगे। लाला लाजपत राय के देश-विदेश के अनुभवों और स्वामी रामतीर्थ के जापान दौरे के प्रसंग की व्याख्या करना। जापान के एक साधारण युवक द्वारा स्वामी जी के लिए फल लाना और बदले में केवल यह मांगना कि "आप अपने देश में जाकर यह मत कहना कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते।" यह राष्ट्रीय गौरव का सर्वोच्च उदाहरण है।
- द्वितीय चरण (नकारात्मक प्रसंग - जापानी पुस्तकालय की घटना): एक अन्य भारतीय छात्र द्वारा जापान की सरकारी लाइब्रेरी की दुर्लभ पुस्तक से चित्र चुराने और पकड़े जाने पर उसे देश से निकाले जाने का प्रसंग। इस घटना से पूरे देश के माथे पर कलंक लगा। छात्रों को समझाना कि एक व्यक्ति की गलती पूरे राष्ट्र को अपमानित कर सकती है।
- तृतीय चरण (दैनिक जीवन और नागरिक कर्तव्य): लेखक द्वारा उठाए गए व्यावहारिक सवाल—क्या हम दीवारों पर थूकते हैं? क्या हम कतार (लाइनों) को तोड़ते हैं? क्या हम सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुँचाते हैं? इन छोटी-छोटी बातों का देश की छवि पर क्या असर पड़ता है, इस पर विस्तार से चर्चा।

ख) काठिन्य निवारण (Vocabulary)

- शिष्टाचार: अच्छा आचरण या व्यवहार (Good Manners)
- अखंडता: जिसका विभाजन न हो सके (Integrity)
- कलंकित: बदनाम या लांछित (Disgraced)
- विलक्षण: असाधारण या अनोखा (Extraordinary)

6. छात्र गतिविधियाँ (Student Activities - NEP 2020)

- मस्तिष्क उद्देलन (Brainstorming): "एक जिम्मेदार छात्र के रूप में मैं अपने देश के गौरव को कैसे बढ़ा सकता हूँ?" विषय पर छात्र अपनी कॉपी में 5 बिंदु लिखेंगे और कक्षा में साझा करेंगे।
- पोस्टर मेकिंग: सार्वजनिक स्थानों पर शिष्टाचार और स्वच्छता बनाए रखने का संदेश देते हुए स्लोगन और पोस्टर तैयार करना।

7. सक्षमता-आधारित मूल्यांकन एवं गृहकार्य (Evaluation)

- बोध प्रश्न (Competency-Based Questions):
 1. जापानी युवक ने स्वामी रामतीर्थ से मूल्य के रूप में क्या माँगा और क्यों? (उत्तर: उसने माँगा कि स्वामी जी अपने देश में जाकर जापान की बुराई न करें, क्योंकि वह अपने देश की प्रतिष्ठा को सर्वोपरि मानता था)।
 2. पुस्तकालय से चित्र चुराने वाले छात्र के व्यवहार ने उसके देश को किस प्रकार प्रभावित किया? (उत्तर: उसकी इस हरकत से न केवल उसे देश निकाला मिला, बल्कि पुस्तकालय के बाहर भारतीयों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया, जिससे देश की छवि खराब हुई)।
 3. लेखक के अनुसार, हमारी कौन सी आदतें देश के गौरव को ठेस पहुँचाती हैं? (उत्तर: सार्वजनिक स्थानों को गंदा करना, कतार तोड़ना, अभद्र भाषा का प्रयोग करना और नियमों का पालन न करना)।
- गृहकार्य (Homework): "मेरा आचरण: मेरे देश का दर्पण" विषय पर 150 शब्दों का एक विचारात्मक निबंध लिखिए।

पाठ योजना (Lesson Plan)

1. सामान्य सूचना (General Information)

- विषय: हिंदी (पद्य खंड - कविता)
- कक्षा: 9वीं
- पाठ का नाम: भारती जय विजय करें
- कवि: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- विधा: देशभक्ति/प्रयाण गीत (Patriotic Poem)
- समयावधि: 45 मिनट (2 कालांश)

2. शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- ज्ञानात्मक (Cognitive): छात्र छायावादी काव्य शैली, निराला जी की भाषा-शैली (तत्सम प्रधान) और कविता के केंद्रीय भाव को समझ सकेंगे।
- कौशलात्मक (Skill-based): छात्रों में कविता का सस्वर काव्य-पाठ (Recitation) करने, अलंकारों को पहचानने और काव्य-सौंदर्य को समझने के कौशल का विकास करना।
- भावात्मक (Affective): छात्रों के मन में मातृभूमि (भारत माता) के प्रति अगाध प्रेम, राष्ट्र-गौरव, सम्मान और देश के लिए सर्वस्व अर्पण करने की भावना जागृत करना।

3. शिक्षण सामग्री (Teaching Aids)

- भारत माता का भव्य चित्र या भारत के प्राकृतिक मानचित्र (हिमालय, नदियों) को दर्शाती डिजिटल स्लाइड ।
- कविता की पंक्तियों में आए कठिन तत्सम शब्दों को अर्थ सहित दर्शाता हुआ फ्लैश कार्ड ।

4. प्रस्तावना प्रश्न (Introduction / Previous Knowledge Testing)

शिक्षक छात्रों के पूर्व ज्ञान और देश-प्रेम की भावना को जागृत करने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे:

1. प्रश्न: हम सब किस देश के निवासी हैं और राष्ट्रगान में हम किसकी जय-जयकार करते हैं?
• संभावित उत्तर: हम सब भारत देश के निवासी हैं और राष्ट्रगान में भारत भाग्य विधाता व भारत माता की जय-जयकार करते हैं ।
2. प्रश्न: 'भारती' शब्द का प्रयोग साहित्य में किनके लिए किया जाता है?
• संभावित उत्तर: ज्ञान की देवी सरस्वती और भारत माता के लिए ।
3. उद्देश्य कथन: बच्चों, आज हम महाप्राण सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी द्वारा रचित एक अत्यंत ओजपूर्ण देशभक्ति गीत "भारती जय विजय करें" का अध्ययन करेंगे । इस कविता में कवि ने भारत माता की वंदना करते हुए उनकी विजय और समृद्धि की कामना की है ।

5. शिक्षण विधि एवं प्रक्रिया (Teaching Process)

क) कवि परिचय (Poet Introduction)

- महाप्राण निराला जी के जीवन, उनकी विद्रोही व ओजस्वी चेतना तथा हिंदी साहित्य में उनके योगदान (मुक्त छंद के प्रवर्तक) पर प्रकाश डालना ।

ख) सस्वर वाचन एवं काव्यानुभूति (Recitation & Explanation)

- प्रथम चरण (भारत माता का स्वरूप): शिक्षक पूरी ऊर्जा और लय के साथ कविता का आदर्श पाठ करेंगे । इसके बाद छात्र अनुकरण वाचन करेंगे । 'भारती जय विजय करें' पंक्तियों के माध्यम से भारत माता की सर्वत्र विजय की कामना और उनके प्राकृतिक सौंदर्य की व्याख्या करना ।
- द्वितीय चरण (प्राकृतिक वैभव): 'कनक-शस्य-कमल धरे' जैसी पंक्तियों को समझाना । भारत माता के हाथों में सोने जैसी फसलों रूपी कमल हैं । हिमालय उनके मुकुट के समान है और गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियां उनके गले के हार की तरह सुशोभित हैं ।

- तृतीय चरण (सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संदेश): भारत की पावन भूमि ऋषि-मुनियों, ज्ञान और त्याग की भूमि है। यहाँ का कण-कण पूजनीय है। कवि देशवासियों से इस गौरव को बनाए रखने का आह्वान करते हैं।

ग) काठिन्य निवारण व काव्य-सौंदर्य (Vocabulary & Poetic Beauty)

- भारती: भारत माता (Mother India)
- कनक-शस्य: सोने जैसी पीली फसलें (Golden Crops)
- मुकुट: सिर का ताज (Crown)
- भाषा-शैली: तत्सम प्रधान खड़ी बोली, ओज गुण की प्रधानता, वीर रस की अनुभूति।
- अलंकार: अनुप्रास और रूपक अलंकार का सुंदर प्रयोग। [1]

6. छात्र गतिविधियाँ (Student Activities - NEP 2020)

- सामूहिक काव्य-पाठ (Choir Recitation): कक्षा को दो या तीन समूहों में बांटकर पूरी ऊर्जा और देशभक्ति के भाव के साथ कविता का सस्वर पाठ प्रतियोगिता करवाना।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति: छात्र भारत माता के प्राकृतिक सौंदर्य (नदी, पर्वत, वन) का वर्णन करते हुए स्वयं की चार पंक्तियों की एक छोटी कविता या स्लोगन लिखेंगे।

7. सक्षमता-आधारित मूल्यांकन एवं गृहकार्य (Evaluation)

- बोध प्रश्न (Competency-Based Questions):
 1. कवि ने भारत माता के गले का हार और सिर का मुकुट किसे बताया है? (उत्तर: हिमालय को मुकुट और गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियों को गले का हार बताया है)।
 2. 'कनक-शस्य-कमल धरे' पंक्ति के माध्यम से कवि भारत की किस विशेषता को रेखांकित कर रहे हैं? (उत्तर: यह भारत की कृषि-प्रधानता, समृद्धि और फसलों से लहलहाती धरती के प्राकृतिक वैभव को दर्शाता है)।
 3. इस कविता को पढ़ने के बाद आपके मन में अपनी मातृभूमि के प्रति क्या विचार आते हैं? (उत्तर: देश के प्रति सम्मान, सुरक्षा और एक अच्छे नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का भाव आता है)।
- गृहकार्य (Homework): कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए तथा निराला जी की किसी अन्य प्रसिद्ध देश-प्रेम की कविता की कुछ पंक्तियाँ अपनी उत्तर-पुस्तिका में नोट कीजिए।

पाठ योजना (Lesson Plan)

1. सामान्य सूचना (General Information)

- विषय: हिंदी (पद्य खंड - कविता)
- कक्षा: 9वीं
- पाठ का नाम: झाँसी की रानी
- कवयित्री: सुभद्रा कुमारी चौहान
- विधा: ऐतिहासिक/वीर रस प्रधान कविता (Epic Lyric/Heroic Poetry)
- समयावधि: 45 मिनट (3 कालांश - लंबी कविता होने के कारण) [1, 2]

2. शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- ज्ञानात्मक (Cognitive): छात्र 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के ऐतिहासिक महत्व, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के जीवन संघर्ष और सुभद्रा कुमारी चौहान की वीर रस प्रधान काव्य-शैली से परिचित हो सकेंगे।
- कौशलात्मक (Skill-based): छात्रों में वीर रस के अनुकूल सस्वर काव्य-पाठ (Recitation with high energy), कठिन शब्दों के अर्थ समझने और ऐतिहासिक घटनाओं को क्रमानुसार समझने के कौशल का विकास करना।
- भावात्मक (Affective): छात्रों में देशभक्ति, अदम्य साहस, नारी शक्ति (Women Empowerment) के प्रति सम्मान और अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सर्वस्व अर्पण करने की भावना जगाना।

3. शिक्षण सामग्री (Teaching Aids)

- रानी लक्ष्मीबाई का घोड़े पर सवार, हाथ में तलवार लिए हुए चित्र या 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के मुख्य केंद्रों (झाँसी, कानपुर, दिल्ली, लखनऊ) को दर्शाता भारत का ऐतिहासिक मानचित्र।
- कविता की मुख्य पंक्तियों और कठिन शब्दों (जैसे- भृकुटी, मदमाते, विलासी) को दर्शाता हुआ फ्लैश कार्ड। [1]

4. प्रस्तावना प्रश्न (Introduction / Previous Knowledge Testing)

शिक्षक छात्रों के पूर्व ज्ञान और देशभक्ति की भावना को पाठ से जोड़ने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे:

1. प्रश्न: भारत को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद कराने के लिए सबसे पहला बड़ा विद्रोह या स्वतंत्रता संग्राम किस वर्ष हुआ था?
- संभावित उत्तर: सन् 1857 में।

2. प्रश्न: 1857 की क्रांति का नाम आते ही आपके मन में किस महान महिला स्वतंत्रता सेनानी का चित्र उभरता है?

- संभावित उत्तर: रानी लक्ष्मीबाई (झाँसी की रानी) का । [1]

3. उद्देश्य कथन: बच्चों, आज हम कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा रचित प्रसिद्ध कविता "झाँसी की रानी" का अध्ययन करेंगे । इस कविता की एक-एक पंक्ति हमारे भीतर वीरता और जोश भर देती है । हम जानेंगे कि कैसे एक अकेली महिला ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी ।

5. शिक्षण विधि एवं प्रक्रिया (Teaching Process)

क) कवयित्री परिचय (Poet Introduction)

- सुभद्रा कुमारी चौहान के जीवन, उनकी राष्ट्रीय चेतना और हिंदी साहित्य में उनकी वीर रस की कविताओं के विशेष स्थान पर प्रकाश डालना ।

ख) सस्वर वाचन एवं ऐतिहासिक व्याख्या (Recitation & Explanation)

- प्रथम चरण (बचपन और विवाह): शिक्षक पूरी ऊर्जा और वीर रस के भाव के साथ कविता का आदर्श पाठ करेंगे—"सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भूकुटी तानी थी..." । लक्ष्मीबाई (छबीली) के बचपन (बरछी, ढाल, कृपाण से खेलना) और झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ उनके विवाह की व्याख्या करना । [1, 2]

- द्वितीय चरण (झाँसी पर संकट): राजा के असामयिक निधन, झाँसी के लावारिस होने पर डलहौजी की 'हड़प नीति' (Doctrine of Laplace) के तहत झाँसी पर कब्जा करने के क्रूर प्रयास और रानी के विलाप व प्रतिज्ञा को समझाना ।

- तृतीय चरण (महान युद्ध और वीरगति): रानी का पुरुष वेश में युद्ध के मैदान में उतरना, लेफ्टिनेंट वॉकर और ह्यूरोज जैसे अंग्रेज कप्तानों को धूल चटाना, नए घोड़े के अड़ जाने के कारण घिर जाना और अंततः वीरतापूर्वक लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त होना । "बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी ।" [1, 2, 3, 4]

ग) काठिन्य निवारण व काव्य-सौंदर्य (Vocabulary & Poetic Beauty)

- भूकुटी तानना: क्रोधित होना / मुहावरा (To get angry)
- हर्षित: अत्यंत प्रसन्न (Joyful)
- वीरगति: युद्ध में लड़ते हुए सम्मानित मृत्यु प्राप्त करना (Martyrdom)
- काव्य-सौंदर्य: ओज गुण की प्रधानता, वीर रस का सजीव चित्रण, सरल और सुबोध खड़ी बोली हिंदी ।

6. छात्र गतिविधियाँ (Student Activities - NEP 2020)

- काव्य-पाठ प्रतियोगिता: कक्षा को चार टोलियों में विभाजित करके कविता के अलग-अलग अंशों का ओजस्वी आवाज़ में सस्वर पाठ (Recitation) करवाना।
- मानचित्र कार्य (Map Work): छात्र भारत के मानचित्र पर 1857 की क्रांति के मुख्य शहरों (झाँसी, ग्वालियर, कानपुर, बिठूर) को रेखांकित करेंगे।

7. सक्षमता-आधारित मूल्यांकन एवं गृहकार्य (Evaluation)

- बोध प्रश्न (Competency-Based Questions):
 1. "खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी"—इस पंक्ति में रानी को 'मर्दानी' क्यों कहा गया है? (उत्तर: क्योंकि उन्होंने पुरुषों के वर्चस्व वाले युग में पुरुषों की तरह युद्ध के मैदान में उतरकर अदम्य साहस और वीरता के साथ अंग्रेजों का मुकाबला किया)।
 2. राजा गंगाधर राव की मृत्यु के बाद डलहौजी क्यों प्रसन्न हुआ और उसने क्या कदम उठाया? (उत्तर: क्योंकि राजा निसंतान मरे थे और डलहौजी को अपनी हड़प नीति के तहत झाँसी को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने का कानूनी बहाना मिल गया था)।
 3. झाँसी की रानी के बचपन के खेल आज के बच्चों के खेल से किस प्रकार भिन्न थे? (उत्तर: रानी बचपन में बरछी, ढाल, तलवार चलाना और नकली युद्ध रचना जैसे खेल खेलती थीं, जबकि आज के बच्चे वीडियो गेम या सामान्य खेलौनों से खेलते हैं)। [1, 2, 3, 4, 5]
- गृहकार्य (Homework): कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए तथा झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से मिलने वाली किन्हीं तीन मुख्य सीखों को अपने जीवन के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

पाठ योजना (Lesson Plan)

1. सामान्य सूचना (General Information)

- विषय: हिंदी (पद्य खंड - कविता)
- कक्षा: 9वीं / 11वीं (सीबीएसई पाठ्यक्रम के अनुसार)
- पाठ का नाम: घर की याद
- कवि: भवानी प्रसाद मिश्र
- विधा: संस्मरणप्रधान कविता / जेल-डायरी काव्य (Reflective Poetry)
- समयावधि: 45 मिनट (2 कालांश)

2. शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)

- ज्ञानात्मक (Cognitive): छात्र भवानी प्रसाद मिश्र जी की सहज और सरल भाषा-शैली (सहज कविता के कवि) तथा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन (1942 का भारत छोड़ो आंदोलन) के ऐतिहासिक संदर्भ को समझ सकेंगे।
- कौशलात्मक (Skill-based): छात्रों में करुण और शांत रस के अनुकूल सस्वर काव्य-पाठ (Recitation with emotion) करने, कविता के बिंबों (Imagery) को समझने और अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करने के कौशल का विकास करना।
- भावात्मक (Affective): छात्रों में पारिवारिक जुड़ाव, माता-पिता व भाई-बहनों के प्रति आदर व प्रेम, तथा देश के लिए जेल जाने वाले सेनानियों के त्याग के प्रति कृतज्ञता की भावना जगाना।

3. शिक्षण सामग्री (Teaching Aids)

- एक संयुक्त परिवार (Joint Family) का चित्र या माता-पिता और भाई-बहनों के स्नेहपूर्ण संबंधों को दर्शाता हुआ एक डिजिटल कोलाज।
- कविता की प्रमुख पंक्तियों में आए प्रतीकों (जैसे- सावन, पानी का गिरना, मस्त होना) को स्पष्ट करता हुआ चार्ट।

4. प्रस्तावना प्रश्न (Introduction / Previous Knowledge Testing)

शिक्षक छात्रों के व्यक्तिगत अनुभवों को पाठ से जोड़ने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे:

1. प्रश्न: जब आप कभी अपने माता-पिता या घर से दूर किसी पिकनिक, हॉस्टल या रिश्तेदार के घर जाते हैं, तो आपको सबसे ज्यादा किसकी याद आती है?
 - संभावित उत्तर: अपने घर की, माता-पिता की और भाई-बहनों की।
2. प्रश्न: यदि आपको किसी बंद कमरे या जेल में अकेले रहना पड़े, जहाँ बाहर लगातार बारिश हो रही हो, तो आपके मन में क्या विचार आएंगे?
 - संभावित उत्तर: हम अकेलेपन और उदासी का अनुभव करेंगे और अपने परिवार को याद करेंगे।
3. उद्देश्य कथन: बच्चों, आज हम प्रसिद्ध कवि भवानी प्रसाद मिश्र जी की कविता "घर की याद" पढ़ेंगे। यह कविता कवि ने सन् 1942 के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जेल में रहते हुए लिखी थी। जब बाहर सावन की बरसात हो रही थी, तब जेल की कालकोठरी में बंद कवि का मन अपने घर और परिवार के सदस्यों की याद में व्याकुल हो उठा था। [1, 2]

5. शिक्षण विधि एवं प्रक्रिया (Teaching Process)

क) कवि परिचय (Poet Introduction)

- भवानी प्रसाद मिश्र जी के जीवन, गांधीवादी विचारधारा से उनके जुड़ाव, तथा उनकी 'सहज बोलचाल की कविता' की विशेषता पर प्रकाश डालना।

ख) सस्वर वाचन एवं भावार्थ (Recitation & Explanation)

- प्रथम चरण (घर का मर्म): शिक्षक अत्यंत भावुक और शांत स्वर में कविता का आदर्श पाठ करेंगे —"आज पानी गिर रहा है, बहुत पानी गिर रहा है..."। कवि बताते हैं कि उनका घर खुशियों का घर है, जहाँ चार भाई और चार बहनें हैं जो आपस में स्नेह के धागे से बंधे हैं। [1, 2, 3]
- द्वितीय चरण (माता-पिता का स्वरूप): पिता के व्यक्तित्व की व्याख्या—जो बूढ़े होने पर भी युवाओं की तरह खिलखिलाते हैं, दौड़ सकते हैं, और मौत के सामने भी नहीं हिचकिचाते। माता के वात्सल्य की व्याख्या—जो पढ़ी-लिखी न होने पर भी अपने बच्चे (कवि) के दुखों को दूर से महसूस कर लेती हैं।
- तृतीय चरण (सावन को संदेश): कवि सावन को एक 'सजीले और हरे' दूत के रूप में संबोधित करते हैं। वे सावन से कहते हैं कि वह उनके माता-पिता के पास जाकर उनकी कुशलता का संदेश दे, लेकिन जेल में कवि के अकेलेपन, उदासी और रोने की बात छिपा ले, ताकि माता-पिता दुखी न हों।

ग) काठिन्य निवारण व काव्य-सौंदर्य (Vocabulary & Poetic Beauty)

- परिताप का घर: दुखों या कष्टों का घर (House of Sorrows)
- नेह-धारा: प्रेम की नदी या धारा (Stream of Love)
- कड़ुकना: गरजना या डराना (To Roar)
- काव्य-सौंदर्य: अत्यंत सरल, सीधी और अनलंकृत बोलचाल की भाषा, करुण रस की प्रधानता, सावन का मानवीकरण (Personification) अलंकार।

6. छात्र गतिविधियाँ (Student Activities - NEP 2020)

- पत्र लेखन गतिविधि: छात्र स्वयं को घर से दूर मानते हुए अपने माता-पिता को उनकी याद में एक छोटा, आत्मीय पत्र (80-100 शब्दों में) लिखेंगे।
- अनुवाद/अभिव्यक्ति: छात्र कविता के किसी एक अंश को कहानी या गद्य (Prose) के रूप में अपनी कॉपी में रूपांतरित करेंगे।

7. सक्षमता-आधारित मूल्यांकन एवं गृहकार्य (Evaluation)

- बोध प्रश्न (Competency-Based Questions):

1. कवि ने अपने घर को 'परिताप का घर' क्यों कहा है, जबकि वह 'खुशियों का घर' है? (उत्तर: क्योंकि कवि के जेल में होने के कारण उनके वियोग में पूरा परिवार दुखी है, इसलिए वह खुशियों का घर अब दुखों के घर में बदल गया है)।

2. पिता के सामने कवि की याद आने पर क्या स्थिति होती होगी और वे स्वयं को कैसे संभालते होंगे? (उत्तर: कवि की याद आते ही पिता की आँखें भर आती होंगी, लेकिन वे अन्य बच्चों के सामने रोते नहीं होंगे और धैर्य रखने का नाटक करते होंगे)।

3. सावन को संदेश देते समय कवि उससे अपनी वास्तविक स्थिति छिपाने को क्यों कहते हैं? (उत्तर: क्योंकि कवि नहीं चाहते कि उनकी जेल की यातनाओं, अकेलेपन और उदासी को जानकर उनके बूढ़े माता-पिता और अधिक व्याकुल या बीमार हो जाएं)। [1]

• गृहकार्य (Homework): "मेरा परिवार: मेरी ताकत" विषय पर 150 शब्दों का एक संक्षिप्त निबंध लिखिए तथा कविता में आए माता और पिता के चरित्र की मुख्य विशेषताओं की तुलना कीजिए।

पाठ योजना (Lesson Plan)

1. सामान्य सूचना (General Information)

- विषय: हिंदी (गद्य खंड)
- कक्षा: 9वीं / 11वीं
- पाठ का नाम: आखिरी चट्टान
- लेखक: मोहन राकेश
- विधा: यात्रा-वृत्तांत (Travelogue)
- समयावधि: 45 मिनट (2 कालांश)

2. सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

- प्रतिफल 1: छात्र गद्य की 'यात्रा-वृत्तांत विधा' की विशेषताओं, तात्कालिक अवलोकन और जीवंत वर्णन शैली को समझ सकेंगे।
- प्रतिफल 2: भारत के सुदूर दक्षिण छोर (कन्याकुमारी), वहाँ के भौगोलिक परिवेश, सूर्यास्त व सूर्योदय के अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य का विश्लेषण कर सकेंगे।
- प्रतिफल 3: प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, मानवीय संबंधों की क्षणभंगुरता और जीवन में अकेलेपन व निरंतर आगे बढ़ने की भावना को आत्मसात कर सकेंगे।

3. शिक्षण सामग्री (Teaching Aids)

- कन्याकुमारी का मानचित्र, विवेकानंद रॉक मेमोरियल और हिंद महासागर, अरब सागर व बंगाल की खाड़ी के मिलन स्थल (त्रिवेणी संगम) को दर्शाती डिजिटल स्लाइड्स।
- पाठ में आए रंग-बिरंगे दृश्यों (जैसे- पीली रेत, लाल चट्टानें) को दर्शाता हुआ एक सुंदर प्राकृतिक चित्र।

4. प्रस्तावना प्रश्न (Introduction)

शिक्षक छात्रों के पूर्व ज्ञान और यात्रा के अनुभवों को पाठ से जोड़ने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे:

1. प्रश्न: भारत के सबसे उत्तरी छोर पर हिमालय पर्वत है, तो बताइए भारत के सबसे अंतिम दक्षिणी छोर (Southern Tip) पर कौन सा प्रसिद्ध स्थान है?

- संभावित उत्तर: कन्याकुमारी।

2. प्रश्न: जब आप किसी पहाड़ी या समुद्र तट पर जाते हैं, तो शाम के समय आकाश में कौन सा सुंदर नजारा देखना पसंद करते हैं?

- संभावित उत्तर: सूर्यास्त (Sunset) का नजारा।

3. उद्देश्य कथन: बच्चों, आज हम आधुनिक हिंदी गद्य के प्रसिद्ध लेखक मोहन राकेश जी द्वारा लिखित यात्रा-वृत्तांत "आखिरी चट्टान" पढ़ेंगे। इस पाठ में लेखक ने कन्याकुमारी के समुद्र तट, रेत के बदलते रंगों और वहाँ की 'आखिरी चट्टान' पर बैठकर महसूस किए गए गहरे अनुभवों का सजीव वर्णन किया है।

5. शिक्षण विधि एवं प्रक्रिया (Teaching Process)

क) लेखक परिचय (Author Introduction)

- मोहन राकेश जी के जीवन, नई कहानी आंदोलन में उनके योगदान और उनकी सूक्ष्म अवलोकन क्षमता (भाषा-शैली) पर प्रकाश डालना।

ख) आदर्श वाचन एवं मुख्य बिंदु (Reading & Explanation)

- प्रथम चरण (सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य): शिक्षक पाठ का वाचन करेंगे। कन्याकुमारी के तट पर सूर्यास्त के समय पानी और आसमान में बदलते रंगों (पीला, सुनहरा, लाल, बैंगनी) का दृश्य समझाना। समुद्र की विशालता और चट्टानों से टकराती लहरों के रोमांच को रेखांकित करना।
- द्वितीय चरण (रेत के रंग और विवेकानंद चट्टान): लेखक द्वारा कन्याकुमारी की विभिन्न रंगों वाली रेत (सफेद, पीली, काली) का वर्णन। समुद्र के बीच स्थित विवेकानंद रॉक (आखिरी चट्टान) के महत्व और वहाँ जाने की लेखक की व्याकुलता को समझाना।

- तृतीय चरण (दार्शनिक अनुभव और वापसी): शाम ढलने पर समुद्र के डरावने और गंभीर रूप की व्याख्या। लेखक का अकेलेपन को महसूस करना और यह सोचना कि जीवन भी इस समुद्र की तरह असीम है, जहाँ मनुष्य एक छोटी सी चट्टान की तरह खड़ा है। अचानक आए अंधड़ और होटल की तरफ लौटने के संघर्ष का वर्णन।

ग) काठिन्य निवारण (Vocabulary)

- क्षितिज: जहाँ धरती और आसमान मिलते हुए दिखाई देते हैं (Horizon)
- क्षणभंगुर: जो पल भर में नष्ट हो जाए (Transient)
- अगाध: बहुत गहरा या असीम (Bottomless/Deep)
- विह्वल: व्याकुल या बेचैन (Agitated)

6. छात्र गतिविधियाँ (Student Activities - NEP 2020)

- यात्रा संस्मरण लेखन: छात्र अपने जीवन की किसी एक प्रिय यात्रा या किसी दर्शनीय स्थल के अनुभव पर 80-100 शब्दों का एक छोटा सा यात्रा-वृत्तांत लिखेंगे।
- रंगों का कोलाज/चित्रण: पाठ में वर्णित सूर्यास्त के समय आकाश के बदलते रंगों को छात्र अपनी कला पुस्तिका (Drawing Book) में रंगों के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे।

7. सक्षमता-आधारित मूल्यांकन एवं गृहकार्य (Evaluation)

- बोध प्रश्न (Competency-Based Questions):
 1. लेखक ने कन्याकुमारी के समुद्र तट को 'त्रिवेणी संगम' के रूप में किस प्रकार चित्रित किया है? (उत्तर: वहाँ तीन बड़े समुद्रों—हिंद महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी का मिलन होता है, जो इसे भौगोलिक और प्राकृतिक रूप से अनूठा बनाता है)।
 2. सूर्यास्त देखते समय लेखक के मन में क्या विचार आ रहे थे और पानी का रंग किस प्रकार बदल रहा था? (उत्तर: लेखक प्रकृति की विशालता के सामने स्वयं को बहुत छोटा महसूस कर रहे थे। पानी का रंग पहले सुनहरा, फिर पूरी तरह लाल और अंत में गहरा नीला-बैंगनी हो गया था)।
 3. "आखिरी चट्टान" पर बैठकर लेखक को जो अकेलापन महसूस हुआ, वह हमें जीवन के बारे में क्या सीख देता है? (उत्तर: वह सिखाता है कि प्रकृति के सामने मानवीय अस्तित्व बहुत छोटा और क्षणभंगुर है, और जीवन की यात्रा में अंततः मनुष्य को अपने संघर्ष अकेले ही तय करने होते हैं)।
- गृहकार्य (Homework): "पर्यटन का हमारे जीवन में महत्व" विषय पर 150 शब्दों का एक निबंध लिखिए तथा पाठ में आए प्रकृति के मानवीकरण वाले वाक्यों को छाँटकर लिखिए।